5

पुनर्जागरण (नवजागरण)

रिनैसेंस (Renaissance) का अर्थ पुनर्जीवन या पुनर्जागरण है। यह 14वीं शती से 17वीं शती में कला, वास्तुकला तथा साहित्य के पुनर्जागरण का चित्रण करता है। पुनर्जागरण यूनान (ग्रीस) तथा रोम के प्राचीन/पुरातन प्रतिष्ठित संस्कृति की ओर पुनरुत्थान के साथ शुरू होता है। इस काल को नए प्रयोगों, नए तरीके की विवेचन शक्ति, नए नियम तथा नई खोजों का युग माना जाता है। इसी कारण इस युग को **'जागरण का युग'** माना जाता है। इसी कारण पुनर्जागरण **प्राथमिक** से **उच्च पुनर्जागरण** तथा अन्त में **अति पुनर्जागरण** के रूप में फैला।

यद्यपि 14वीं शती के पुनर्जागरण में **डुच्चो** (Duccio) तथा **मासाच्चीयो** (Masaccio) नामक लब्धप्रतिष्ठित कलाकारों का उदय हुआ जिनके पास शरीर रचना से संबंधित ज्ञान तो कम था, लेकिन 12वीं शती से 16वीं शती के दौरान पश्चिम यूरोपीय वास्तुकला को वर्णन करने की मेघा शक्ति थी। यही कारण है कि उन्होंने अपने पेंटिंग में वैज्ञानिक साम्य और द ष्टिकोण को अच्छी तरह से चित्रित किया। इस युग के कलाकारों में शारीरिक संरचना के ज्ञान का अभाव था, फिर भी उनकी चित्रकला में वैज्ञानिक अनुपात तथा अवलोकन का गुण देखने को मिलता है। 15वीं शती के पुनर्जागरण काल में कला तथा प्रकृति में सन्तुलन एवं समन्वय पर पर्याप्त जोर दिया गया है। प्रकाश एवं छाया, संक्षिप्तिकरण तथा परिद श्य की सम्पूर्णता का पूरा ध्यान रखा गया है। इस युग के बहुत प्रसिद्ध कलाकारों में **लियोनार्डो डा भिन्ची, रैफेल** तथा **माइकिल एन्जलो** का जिक्र किया जाता है। व्यवहारवादी कलाकारों ने उच्च पुनर्जागरण युग के सिद्धान्तों की दीर्घरूपता को असंगत ठहराया। इस स्तर पर मानवीय संवेगों, भाव–भंगिमाओं पर शारीरिक संरचना से अधिक महत्व दिया गया था।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद, आपः

- पुनर्जागरण काल के विकास की प्रक्रिया का वर्णन कर सकेंगे;
- इस युग के विकास का विवरण दे सकेंगे;
- इस युग के कलाकारों तथा उनकी कृतियों के विषय में लिख सकेंगे; और
- सूचीबद्ध कला के कार्यों को पहचान सकेंगे।

वीनस का जन्म

5.1 वीनस का जन्म

शीर्षक	:	वीनस का जन्म
कलाकार	:	सैंड्रो बोतिचेल्ली (Sandro Botticelli)
माध्यम	:	केन्वस पर डिस्टैम्पर
काल (समय)	:	1485–1486
शैली	:	पुनर्जागरण काल
संकलन	:	फ्लोरेंस में गैलेरिया देगली उफीज़ी (Galleria degli Uffizi in Florence)

सामान्य विवरण

1486 के आसपास **सैंड्रो बोतिचेल्ली** (Sandro Botticeli) ने **'वीनस का जन्म'** नामक चित्र बनाया। दूसरी शती के महान प्राचीन यूनानी (ग्रीक) कलाकारों की श्रेष्ठतम कृतियों से प्रेरणा पाकर बनाए गए चित्रों में इसकी गणना की जाती है। प्राचीन ग्रीक कलाकारों की प्रेरणा से बनी यह कलाकृति पुनर्जागरण की सबसे बड़ी मिसाल है। इस चित्र में ग्रीस की प्राचीन देवी **'वीनस'** को सीपी में से पैदा होते हुए दिखलाया गया है। निर्वस्त्र देवी सांसारिक प्रेम के स्थान पर आध्यात्मिक प्रेम को निरूपित करती है। सौन्दर्य तथा सत्य के प्रतीक के रूप में वह (वीनस) एक पूरी वयस्क स्त्री के रूप में दिखाई देती है। इसी चित्र में एक ऋतुओं की देवी उपस्थित होती है जो वीनस को फूलों से कढ़ा हुआ (कसीदा किया हुआ) कपड़ा देती है जिससे वह अपना शरीर ढक सके। दूसरी ओर पवन देव जैसे देवदूत वायु को प्रवाहित करते हुए दिखाई देते हैं। वीनस इन दोनों के बीच में विनयशील मुद्रा में खड़ी है जिसको देखकर प्राचीन गोथिक कला तथा मूर्तियों का स्मरण होता है। वीनस की शारीरिक संरचना पूर्णरूप से प्राचीन यथार्थवाद का प्रदर्शन नहीं है, क्योंकि वीनस की गर्दन लम्बी दिखाई गई है तथा बायां कन्धा असामान्य तरीके से किसी कोण पर झुका हुआ है। उसके शरीर के अंग पतले और लम्बे हैं। अप्राकृतिक प्रकाश के प्रयोग से चित्र में कोमल तथा शान्तिमय सौन्दर्य का आभास होता है।

पाठगत प्रश्न 5.1

(क) बोतिचेल्ली के चित्र 'वीनस का जन्म' में क्या दिखाया गया है?
(ख) इस चित्र में वीनस किस प्रतीक के रूप में चित्रित की गई है?
(ग) वीनस की शारीरिक संरचना कैसी है?
(घ) इस चित्र में प्रकाश का क्या रूप है?

5.2 मोनालिसा

शीर्षक	:	मोनालिसा
कलाकार	:	लिओनार्डो डा भिन्ची
माध्यम	:	पहाड़ी लकड़ी पर तैलीय रंग
समय	:	16वीं शताब्दी
शैली	:	पुनर्जागरण कालीन
संकलन	:	लूभ संग्रहालय (पेरिस)

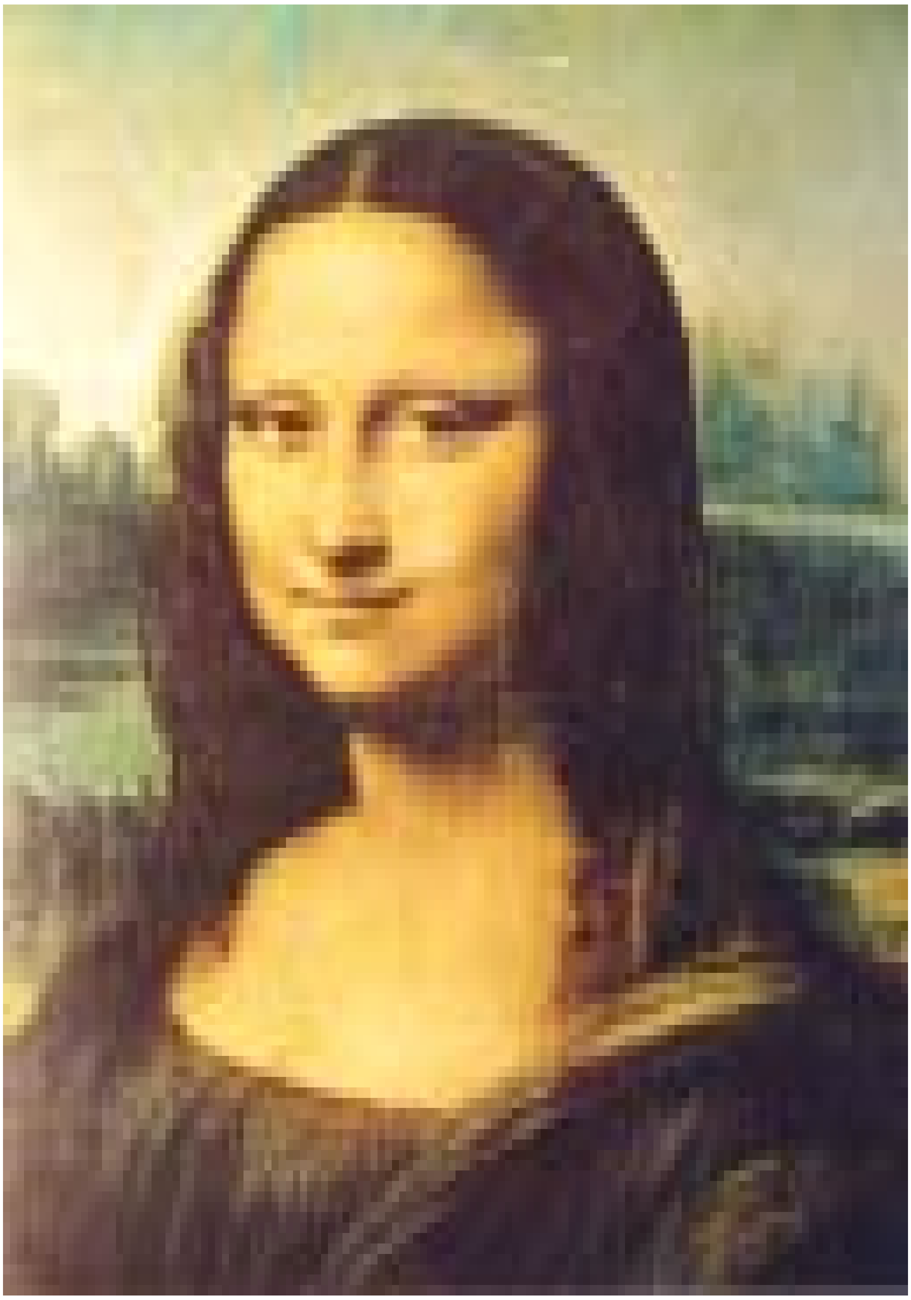

मोनालिसा

सामान्य विवरण

लिओनार्डो डा भिन्ची (1452–1519) एक इतालवी (इटालियन) चित्रकार था। उसे एक वैज्ञानिक तथा कलाकार के रूप में जाना जाता है। उसकी विभिन्न प्रसिद्ध कलाकृतियों में, **'लास्ट सपर'**, **'वर्जिन ऑफ रॉक'** और **'मोनालिसा'** विशेष रूप से विश्वव्यापी ख्याति की हैं। मोनालिसा को 16वीं शताब्दी में पहाड़ी लकड़ी पर तैलीय माध्यम में बनाया गया था। यह चित्र एक महिला का है जिसके चेहरे पर एक ऐसी रहस्यात्मक मुस्कराहट है, मानो वह दर्शक का स्वागत कर रही हो। **लियोनार्डो** ने इस चित्र को **पिरामिड डिज़ाइन** (स्तम्भीय डिज़ाइन) में बनाया है जिसमें उसके जुड़े हुए हाथ आधार का काम करते हैं। प्रकाश और छाया के प्रयोग में नाटकीय विषमता है। चेहरा बाल, घूंघट तथा छाया जैसे विभिन्न तथ्यों से उद्दीप्त है। मोनालिसा के चित्र में उसके चेहरे पर बाल कहीं नहीं दिखाई देते हैं। भवें तथा पलकें तक नहीं दिखाई देतीं। फिर भी महिला के चित्र के चेहरे पर मुस्कुराहट उसकी आंखों को देखने से बहुत स्पष्ट दिखाई देती है। उसके मुंह पर देखने से यह मुस्कुराहट इतनी स्पष्ट नहीं दिखाई देती। इस चित्र के पार्श्व में एक विशाल प्राकृतिक द श्य दिखाई देता है जिसमें बर्फ से ढके पहाड़, घाटी तथा तिरछी नदी चित्रित हैं। मोनालिसा के चित्र के निरूपण में **चित्रकार लिओनार्डो** की मनुष्य को प्रकृति से जोड़ने की सूक्ष्म द ष्टि परिलक्षित होती है।

पाठगत प्रश्न 5.2

(क) भिन्ची ने किन विभिन्न कला–क्षेत्रों में अपना योगदान दिया?
(ख) मोनालिसा की इतनी प्रशंसा क्यों की जाती है?
(ग) इस चित्र की प ष्ठभूमि क्या है?
(घ) मोनालिसा को किस माध्यम में बनाया गया है?

5.3 पीएता (PIETA)

शीर्षक	:	पीएता (Pieta)
कलाकार	:	माइकल एन्जेलो (Michael Angelo)
माध्यम	:	संगमरमर मूर्ति
समय	:	1498 से 1499
शैली	:	पुनर्जागरण
संकलन	:	सेंट पीटर (St. Peter), रोम

सामान्य विवरण

माइकल एन्जेलो द्वारा सन् 1498–99 में **पीएटा** की यह मूर्ति निर्मित की गई है। इसे संगमरमर की एक ही शिला से बनाया गया है। इस प्रसिद्ध मूर्ति में **''कुमारी मैरी''** को निर्जीव यीशु के शरीर को गोदी में लिए हुए दिखाया गया है। माँ बैठी है तथा यीशु म तावस्था में माँ की गोद में है। मूर्तिकार की कला में पुनर्जागरण युग के सौंदर्य का प्राचीन आदर्श तथा कलाकार की अपनी अन्तद ष्टि एवं अभिव्यक्ति की समन्वयात्मक एवं संतुलित

पीएता

व्याख्या है। इस वास्तु संरचना (ढांचे) की आकृति स्तम्भीय है। यहाँ पर कलाकार (मूर्तिकार) ने मडोना की शुचिता सिद्ध करने के लिए मडोना को उसके पुत्र (यीशु) से कम उम्र का दिखाया है। **माइकिल एन्जेलो** की यह मूर्ति रचना सबसे उत्कृष्ट और परिष्कृत है। मूर्ति के सजे वस्त्रों में अद्भुत प्रवाह है तथा शारीरिक संरचना अद्भुत है। **माइकल एन्जेलो** द्वारा बनाए गए **डेविड, मोसिस (David Moses)** तथा रोम में स्थित सिस्टाइन (Sistine) चर्च की छतों पर गीले प्लास्टर पर बनाए गए भित्ति–चित्र बहुत मशहूर हैं।

पाठगत प्रश्न 5.3

(क) पीएता (Pieta) की विषय वस्तु क्या है?
(ख) पीएता (Pieta) में कितनी आकृतियाँ प्रयुक्त हुई हैं? उनके नाम लिखिए।
(ग) पीएता (Pieta) का मूल ढांचा क्या है?

5.4 दि नाइट वाच (THE NIGHT WATCH)

शीर्षक	:	दि नाइट वाच (The Night Watch)
कलाकार	:	रेमब्रां (Rembrandt)
माध्यम	:	कैन्वास पर तैलीय रंग
समय	:	1642
शैली	:	पुनर्जागरण (बैरोक)
संकलन	:	हॉलैन्ड, एम्सटरडम (Amsterdam) में रिक्स संग्रहालय।

सामान्य विवरण

रेमब्रां (Rembrandt) एक डच चित्रकार था। वह एक यथार्थवादी था। उसके अधिकांश चित्रों में हम प्रकाश एवं छाया का रहस्यवादी प्रदर्शन देखते हैं। इस प्रकार से उसके चित्रों में चित्र की आत्मा का अधिक प्रदर्शन होता है। 1640–1642 के बीच रिमब्रा ने **'दि नाइट वाच'** का चित्रण किया। काफी समय तक यह चित्र गहरी वारनिश (रोग़न) से पुती हुई पड़ी रही जिससे लोगों को ग़लत संदेश मिला कि चित्र में रात्रि के किसी द श्य का वर्णन किया गया है परन्तु जब 1940 में वारनिश (रोग़न) हटाया गया तो यह पता लगा कि वह चित्र दिन के उजाले जैसा प्रकाशमान था।

यह चित्र एक युवा कप्तान को अपने अधीनस्थ लेफ्टिनेन्ट को अपनी कम्पनी के गैर सैनिकों को वहाँ से चले जाने के आदेश देते हुए दर्शाता है। इस चित्र में प्रकाश तथा छाया का बड़ा प्रभावशाली प्रयोग हुआ है। कप्तान काली वर्दी पर लाल पेटी बांधे हुए है। लेफ्टिनेन्ट तथा एक छोटी लड़की पीली ड्रैस पहने हुई दिखाई गई है। ये रंग भी विजय के प्रतीक हैं। लड़की की पेटी (वेल्ट) से एक सफ़ेद मरा हआ चूजा लटक रहा है जो दुश्मन की पराजय को दर्शाता है। प ष्ठभूमि में एक ड्रम बजाने वाला सिपाही प्रयाण में गति और शक्ति भरने के लिए खड़ा हुआ है। यह चित्र अभिव्यक्ति के साथ पारंपरिक सैन्य चित्रों का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

दि नाइट वाच

पाठगत प्रश्न 5.4

(क) रेमब्रां (Rembrandt) की चित्रकला की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(ख) रेमब्रां (Rembrandt) के चित्र 'दि नाइट वाच' (The Night Watch) के विषय में एक संक्षिप्त अनुच्छेद लिखिए।

(ग) यह कला चित्र क्या दर्शाता है?

(घ) जब चित्र पर से वारनिश (रोगन) हटाया गया तो क्या देखने को मिला?

आपने क्या सीखा?

पुनर्जागरण का अर्थ है पुनर्जन्म। यह शब्द प्राचीन यूनान (ग्रीस) की प्राचीन सभ्यता के पुनर्जागरण की ओर संकेत करता है। यह युग तीन हिस्सों में बंटा हुआ है – **प्राथमिक पुनर्जागरण, उच्च पुनर्जागरण** तथा **अति पुनर्जागरण** (Baroque)। इस युग की कला में मानवीय शारीरिक संरचना पर सुधार के परिप्रेक्ष्य में काफी जोर दिया गया है। कला में स्तम्भीय आकृति का प्रयोग किया गया है।

कला की संरचना तथा नाटकीय प्रकाश एवं छाया का मिश्रण इस युग की विशेषता है, इस युग के प्रमुख कलाकारों में **मासाच्चीयो, बोतिचेल्ली, लियोनॉर्दो डा-भिन्ची, रैफेल, माइकेल एंजेलो, रेमब्रां, रूबेन्स** आदि हैं।

पाठांत अभ्यास

1. पुनर्जागरण का क्या अर्थ है? इस युग की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
2. वीनस का जन्म में 'वीनस' को किस प्रकार प्रस्तुत किया गया है?
3. मोनालिसा (Monalisa) चित्र का वर्णन कीजिए।
4. पीएता (Pieta) पर एक संक्षिप्त नोट लिखिए।
5. दि नाइट वॉच (The Night Watch) नामक चित्र का वर्णन कीजिए।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

5.1 (क) पानी में सीपी से वीनस को निकलते हुए।

(ख) वीनस सौन्दर्य तथा सच्चाई की प्रतीक है।

(ग) यह प्राचीन यथार्थवाद का प्रदर्शन नहीं है। यह थोड़ी–सी लम्बी है।

(घ) कोमल और शांतिमय सौंदर्य

5.2 (क) चित्रकार, वैज्ञानिक

(ख) एक रहस्यमय मुस्कान जिससे लगता है कि दर्शक का वह स्वागत कर रही है।

(ग) पहाड़, धारा तथा नदी के साथ प्राकृतिक द श्य

(घ) पहाड़ी लकड़ी पर तैलीय रंग

5.3 (क) कुंआरी मैरी (Mary) म त यीशु को गोद में लिए हुए।

(ख) दो, मैरी तथा यीशु

(ग) सूची स्तम्भीय

5.4 (क) प्रकाश एवं छाया के खेल का रहस्य।

(ख) रात्रि का द श्य न होकर दिन का द श्य।

(ग) युवक कप्तान अपने अधीनस्थ लैफ्टिनैंट को अपनी टुकड़ी को प्रयोग करने का आदेश देते हुए।

(घ) 1940